02-10-09 प्रात:मुरली ओम् शान्ति ''बापदादा'' मधुबन

## ''मीठे बच्चे – बुद्धि को रिफाइन बनाना है तो एक बाप की याद में रहो, याद से ही आत्मा स्वच्छ बनती जायेगी''

**प्रश्नः-** वर्तमान समय मनुष्य अपना टाइम व मनी वेस्ट कैसे कर रहे हैं?

**उत्तरः-** जब कोई शरीर छोड़ता है तो उनके पीछे कितना पैसा आदि खर्च करते रहते हैं। जब शरीर छोड़कर चला गया तो उसकी कोई वैल्यु तो रही नहीं, इसलिए उसके पिछाड़ी जो कुछ करते हैं उसमें अपना टाइम और मनी वेस्ट करते हैं।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

**धारणा के लिए मुख्य सारः-**

1) विश्व की बादशाही देने वाले बाप का बहुत-बहुत रिगार्ड रखना है। बाप की सर्विस में अपनी जीवन सफल करनी है, पढ़ाई पर पूरा-पूरा ध्यान देना है।

2) बाप से जो ज्ञान मिलता है उस पर विचार सागर मंथन करना है। कभी भी विघ्न रूप नहीं बनना है। डिस-सर्विस नहीं करनी है। अहंकार में नहीं आना है।

**वरदानः- रूहानी माशूक की आकर्षण में आकर्षित हो मेहनत से मुक्त होने वाले रूहानी आशिक भव**

माशूक अपने खोये हुए आशिकों को देख खुश होते हैं। रूहानी आकर्षण से आकर्षित हो अपने सच्चे माशूक को जान लिया, पा लिया, यथार्थ ठिकाने पर पहुंच गये। जब ऐसी आशिक आत्मायें इस मोहब्बत की लकीर के अन्दर पहुंचती हैं तो अनेक प्रकार की मेहनत से छूट जाती हैं क्योंकि यहाँ ज्ञान सागर के स्नेह की लहरें, शक्ति की लहरें... सदा के लिए रिफ्रेश कर देती हैं। यह मनोरंजन का विशेष स्थान, मिलने का स्थान आप आशिकों के लिए माशूक ने बनाया है।

**स्लोगनः-** एकान्तवासी बनने के साथ-साथ एकनामी और एकानामी वाले बनो।